

ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू ट्रांसमिशन विषय पर कार्यक्रम आयोजित

जौद, 16 अप्रैल (ललित) : चौधरी रणवीर सिंह विश्वविद्यालय में योग विज्ञान विभाग द्वारा ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू ट्रांसमिशन (मैडिटेशन एंड मोटिवेशन) विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर बड़ौत बागपत उत्तर प्रदेश से मोटिवेशनल स्पीकर, लाइफ कोच और आध्यात्मिक गुरु के रूप में महामंडलेश्वर आचार्य कृष्णपाल विश्रुतपाणि ने मुख्यतिथि एवं वक्ता के रूप में शिरकत की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्री देवालय संघ के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता, प्रमुख समाज सुधारक डॉ. सोहनवीर सिंह, प्रधानाचार्य (डिवाइन ग्लोबल एकेडमी बड़ौत) ओशो संन्यासी डॉ. के.के. त्यागी, डॉ. रजनीकांत तिवारी और डॉ. धर्मेश मिश्रा रहे। योग विज्ञान विभाग सदस्यों द्वारा सभी गण्यमान्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण करके स्वागत-सत्कार किया गया।

सहायक प्राध्यापक योगविज्ञान विभाग डॉ. वीरेंद्र कुमार ने सभी



कार्यक्रम में मौजूद अतिथि।

गण्यमान्य अतिथियों को विश्वविद्यालय की प्रगति और योग विज्ञान विभाग की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद संदेश भिजवाया और कहा कि ध्यान के माध्यम से हम स्वयं को जान सकते हैं और ध्यान एक ऐसी क्रिया है जिसके माध्यम से विद्यार्थी में एकाग्रता बढ़ती है, इसलिए विद्यार्थी जीवन में ध्यान बहुत ही महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कार्यक्रम के मुख्यतिथि और वक्ता महामंडलेश्वर आचार्य कृष्ण पाल विश्रुतपाणि जी व अन्य सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत और

अभिनन्दन किया। अपने आशीर्वाचन में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए एकाग्रता की आवश्यकता होती है और एकाग्रता ध्यान से बढ़ती है। अतः इसके लिए ध्यान योग करना सबसे जरूरी है।

मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे महामंडलेश्वर आचार्य कृष्ण ने विभिन्न प्रेरक प्रसंगों और कहानियों के माध्यम से वर्तमान जीवन की चुनौतियों से उबरने के लिए ध्यान की उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू ट्रांसमिशन (मैडिटेशन एंड मोटिवेशन) के बारे में भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, भगत सिंह व अन्य महापुरुषों के उदाहरण देते हुए बताया कि अगर स्वयं भगवान ने

भी धरती पर जन्म लिया है तो उनको भी ध्यान की प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ा है तभी उनको ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। उन्होंने ध्यान के बारे में बताते हुए कहा कि ध्यान विचार और मानसिक स्थिति को नियंत्रित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के अन्दर उसका एक लक्ष्य निर्धारित होना चाहिए और उन्होंने विद्यार्थियों को धन को बचाने और धन कमाने के तरीके को बताते हुए कहा कि 'सेव मनी एंड इन्वेस्ट मनी' जिस प्रकार एक खोज से पेड़ बन जाता है और वही पेड़ जब बड़ा होकर और भी खोज बनाता है जिससे हम अलग-अलग

जगह पर अन्य पेड़ उगा सकते हैं, उसी प्रकार धन को भी बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम सचिव डॉ. जयपाल सिंह राजपूत सहायक प्राध्यापक, योग विज्ञान विभाग द्वारा सभी गण्यमान्य अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति के कुशल नेतृत्व और विशेष संरक्षण में विभाग की प्रगति के लिए समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, नैतिक और चारित्रिक उत्थान के लिए योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कुलदीप नारा के विशेष मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज में तनाव, चिंता, और दबाव के कारण हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अनेक प्रकार के प्रभाव पड़ते हैं। ध्यान करने से हम इन समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और अपने जीवन को संतुलित बनाए रख सकते हैं। इसके अलावा, ध्यान करने से हमारी धारणा शक्ति भी बढ़ती है, जो हमें अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कराने में सहायक है।



शिक्षा प्राप्त करने के लिए एकाग्रता सबसे जरूरी: विश्रुतपाणि

जागरण संवाददाता **जीई** : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में योग विज्ञान विभाग के द्वारा मेडिटेशन एंड मोटिवेशन विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें बड़ौत बागपत उत्तर प्रदेश से मोटिवेशनल स्पीकर महामंडलेश्वर आचार्य कृष्णपाल विश्रुतपाणि ने मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्री देवालय संघ के संस्थापक और अध्यक्ष डा. वेद प्रकाश गुप्ता, प्रमुख समाज सुधारक डा. सोहनवीर सिंह, ओशो संन्यासी डा. केके त्वागी, डा. रजनीकान्त तिवारी और डा. घमैंद्र मिश्रा रहे। सहायक प्राध्यापक योग विज्ञान विभाग डा. खंडेन्द्र कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति और योग विज्ञान विभाग की विभिन्न गतिविधियों से अवगत



सीआरएसयू में स्टाफ व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर आचार्य कृष्णपाल विश्रुतपाणि। • सी. प्रियाविद्यालव

करया। कुलपति डा. रणपाल सिंह ने विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद संदेश भिजवाया और कहा कि ध्यान के माध्यम से हम स्वयं को जान सकते हैं और ध्यान एक ऐसी क्रिया है जिसके माध्यम से विद्यार्थी में एकाग्रता बढ़ती है, इसलिए विद्यार्थी जीवन में ध्यान बहुत

ही महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता महामंडलेश्वर आचार्य कृष्णपाल विश्रुतपाणि व अन्य सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। आशीर्वाचन में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के

लिए एकाग्रता की आवश्यकता होती है और एकाग्रता ध्यान से बढ़ती है। इसके लिए ध्यान योग करना सबसे जरूरी है। मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे महामंडलेश्वर आचार्य कृष्ण ने विभिन्न प्रेरक प्रसंगों और कहानियों के माध्यम से वर्तमान जीवन की चुनौतियों से उबरने के लिए ध्यान की उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने मेडिटेशन एंड मोटिवेशन के बारे में भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, भगत सिंह व अन्य महापुरुषों के उदाहरण देते हुए बताया कि अगर स्वयं भगवान ने भी धरती पर जन्म लिया है तो उनको भी ध्यान की प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ा है तभी उनको ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। ध्यान विचार व मानसिक स्थिति को नियंत्रित करने का तरीका है।

ध्यान से मन शांत और स्थिर बनेगा : महामंडलेश्वर



जी०। सीआरएसयू में योग विज्ञान विभाग द्वारा ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू ट्रांसमिशन विषय पर कार्यक्रम हुआ। जिसमें बड़ौत बागपत उत्तर प्रदेश से मोटिवेशनल स्पीकर और आध्यात्मिक गुरु महामंडलेश्वर आचार्य कृष्णपाल विश्रुतपाणि मुख्यातिथि, देवालय संघ के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता, प्रमुख समाज सुधारक डॉ. सोहनवीर सिंह, डॉ. केके त्यागी, डॉ. रजनीकांत तिवारी और डॉ. धर्मेन्द्र मिश्रा विशिष्ट अतिथि रहे। महामंडलेश्वर ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए एकाग्रता की आवश्यकता होती है और एकाग्रता ध्यान से बढ़ती है। अतः इसके लिए ध्यान योग करना सबसे जरूरी है। ध्यान विचार और मानसिक स्थिति को नियंत्रित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। यह एक अभ्यास है, जिसमें आप अपने मन की प्रवृत्तियों और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को विकसित करते हैं। यह मन को शांत और स्थिर बनाने में मदद करता है, जिससे आप स्पष्टता, सकारात्मकता और स्थिरता को अनुभव कर सकते हैं। यह तनाव को कम करने, मन को शांति प्रदान करने और संभावना को बढ़ाने में मदद करता है।

भगवान को भी ध्यान की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था : आचार्य कृष्ण

मैडिटेशन कार्यक्रम में एकाग्रता का बताया खास महत्व



विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए एकाग्रता की आवश्यकता होती है और एकाग्रता ध्यान से बढ़ती है। अतः इसके लिए ध्यान योग करना सबसे जरूरी है। मुख्य वक्ता के तौर पर पहुँचे महामंडलेश्वर आचार्य कृष्ण ने विभिन्न प्रेरक प्रसंगों और कहानियों के माध्यम से वर्तमान जीवन की चुनौतियों से उभरने के लिए ध्यान की

जौद, ब्यूरो (इंडिया टाइमर): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जौद में योग विज्ञान विभाग द्वारा मैडिटेशन एंड मोटिवेशन विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ौत बागपत उत्तर प्रदेश से मोटिवेशनल स्पीकर, लाइफ कोच और आध्यात्मिक गुरु के रूप में महामंडलेश्वर आचार्य कृष्णपाल विश्रुतपाणि ने मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में शिरकत की और अन्य विशिष्ट अतिथियों के रूप में देवालय संघ के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता, प्रमुख समाज सुधारक डॉ. सोहनवीर सिंह, प्रधानाचार्य ओशो संन्यासी डॉ. के.के. त्यागी, डॉ. रजनीकांत तिवारी और डॉ. धर्मेन्द्र मिश्रा रहे। योग विज्ञान विभाग सदस्यों द्वारा सभी गणमान्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण करके स्वागत सत्कार किया गया। सहायक प्राध्यापक योग विज्ञान विभाग डॉ. वीरेंद्र कुमार ने सभी गणमान्य अतिथियों को विश्वविद्यालय की प्रगति और योग विज्ञान विभाग की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि ध्यान के माध्यम से हम स्वयं को जान सकते हैं। ध्यान एक ऐसी क्रिया है जिसके माध्यम से विद्यार्थी में एकाग्रता बढ़ती है। इसलिए विद्यार्थी जीवन में ध्यान बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर

उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने मैडिटेशन एंड मोटिवेशन के बारे में भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, भगत सिंह व अन्य महापुरुषों के उदाहरण देते हुए बताया कि अगर स्वयं भगवान ने भी धरती पर जन्म लिया है तो उनको भी ध्यान की प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ा है तभी उनको ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। उन्होंने ध्यान के बारे में बताते हुए कहा कि ध्यान विचार और मानसिक स्थिति को नियंत्रित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। यह एक अभ्यास है जिसमें आप अपने मन की प्रवृत्तियों और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को विकसित करते हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के अन्दर उसका एक लक्ष्य निर्धारित होना चाहिए। कार्यक्रम सचिव डॉ. जयपाल सिंह राजपूत ने योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कुलदीप नारा के विशेष मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. मंजूलता रेड्डू, डॉ. अजमेर मलिक, डॉ. विजय सिंह, डॉ. कविता, डॉ. भावना, डॉ. बृजपाल, डॉ. प्रवीण, डॉ. वीरेंद्र कुमार, डॉ. मंजू सुहाग, डॉ. ज्योति मलिक, डॉ. सुमन पूनिया सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।